



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 7, 1987 (फाल्गुन 16, 1908)  
No. 10] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 7, 1987 (PHALGUNA 16, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गयी विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं	293	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होने हैं)	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	263	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निर्यंत्र और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं	17 47
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	317	भाग III—खण्ड 2—पेटेण्ट कार्यालय द्वारा जारी की गयी पेटेण्टों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस	161
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य प्रायुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	10 47
भाग II—खण्ड 2—विशेष तथा विशेषों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	31
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के धांकड़ों को दिखाने वाला अनुपूरक	
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं			

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	293	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	263	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	1747
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	317	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs ..	161
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notification issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1047
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies ..	31
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc both in English and Hindi	
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)			

**भाग I—खण्ड 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई  
विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं  
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by  
the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and  
by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1987

सं० 24-प्रेज/87—राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री नारायण सिंह,

उप निरीक्षक,

के० रि० पु० ब० की 14 बटालियन की "सी" कम्पनी,

(कैम्प : दीमापुर—नागालैण्ड)

श्री सरवन सिंह,

हैड कांस्टेबल सं० 630140581,

के० रि० पु० ब० की 14 बटालियन की "सी" कम्पनी,

(कैम्प : दीमापुर—नागालैण्ड)

श्री बचन लाल,

कांस्टेबल सं० 830745681,

के० रि० पु० ब० की 14 बटालियन की "सी" कम्पनी,

(कैम्प : दीमापुर—नागालैण्ड)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

22 फरवरी, 1985 को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ भूमिगत नागा विद्रोही कब्जे के निकट ठहरे हुए हैं। थाना (पूर्वी और पश्चिमी) दीमापुर के आफिसर कमांडिंग ने उस पर छापा मारने की योजना बनाई। उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 14वीं बटालियन की "सी" कम्पनी से बल मांगा। उप-निरीक्षक नारायण सिंह, हैड कांस्टेबल सरवन सिंह तथा कांस्टेबल बचन लाल के साथ अन्य पांच कांस्टेबलों को विशेष तौर से इस कार्य के लिए तैनात किया गया। यह निर्णय किया गया कि श्री नारायण सिंह का सैक्शन कोहिमा—दीमापुर सड़क पर भूमिगतों के छिपने के स्थान पर छापा मारेगा, तदनुसार यह दल अर्ध-रात्री को खाना हुआ। इसने क्षेत्र को घेर लिया और बाहर निकलने के सभी संभव मार्गों की नाकेबंदी कर दी। दोनों एस० एच० ओ० जो उस दल में थे, ने छिपने के स्थान के निकट मोर्चे लगाए और श्री नारायण सिंह का अपना सैक्शन उस विशेष झोपड़ी के पश्चिम में तैनात करने के अनुरोध दिए जहां बताया जाता था कि भूमिगत छिपे हैं। श्री नारायण सिंह ने अपने जवान एक ऐसे स्थान पर तैनात किए जहां से वे भूमिगतों की गतिविधि

स्पष्ट रूप से देख सकते थे। कुछ देर इंतजार करने के बाद, एस० एच० ओ० (पूर्वी) ने एक हैड कांस्टेबल को झोपड़ी का दरवाजा खटखटाने का आदेश दिया। उसने दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई उत्तर नहीं मिला। परन्तु झोपड़ी के अन्दर कुछ गतिविधियां महसूस की गई और हथियारों को भरने की आवाजें सुनी गई। फिर से चेतावनी दिए जाने पर झोपड़ी का दरवाजा धीरे से खुला और अन्दर से दो हथगोले फेंके गए। जो हैड कांस्टेबल प्रवेश द्वार पर था वह तत्काल मर गया और एक उप निरीक्षक को चोटें आईं। खतरे का बोध होने पर भूमिगतों ने झोपड़ी के पिछवाड़े से खिसकने की कोशिश की लेकिन श्री नारायण सिंह की कमांड वाले दल ने उनके प्रयास को विफल कर दिया और उन पर गोलियां चलाते रहे जिसके परिणामस्वरूप एस० एस० ले० कर्नल इशोसे सेमा सहित तीन भूमिगतों की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। श्री सरवन सिंह और श्री बचन लाल भागते हुए भूमिगतों पर गोलियां चलाते रहे। पुनः चेतावनी देने पर केवल एक महिला झोपड़ी से बाहर आई। विदेश में बनी एक पिस्तोल, भरे/खाली कारतूस और व्यक्तिगत डायरी (जिसमें मणिपुर/नागालैण्ड में भूमिगतों की गतिविधियों/योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण सूचना दी गई थी) अपराधियों से बरामद की गई।

इस मुठभेड़ में श्री नारायण सिंह, उप-निरीक्षक, श्री सरवन सिंह, हैड कांस्टेबल और श्री बचन लाल कांस्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 22 फरवरी, 1985 से दिए जाएंगे।

सं० 25-प्रेज/87—राष्ट्रपति महाराष्ट्र पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री आनन्द गणपतराव भिलारे,

पुलिस उप निरीक्षक,

डिटेक्शन आफ फ्राईस ब्रान्च, सी० आई० डी०,

वृहत्तर बम्बई।

श्री दिलीप पांडुरंग सूर्यवंशी

पुलिस उप निरीक्षक,

डिटेक्शन आफ फ़ाईम ब्रान्च, सी० आई० डी०,

ग्रहपार, बम्बई।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

15 अक्टूबर, 1985 को सूचना प्राप्त हुई कि कुख्यात अपराधी अनीस मोहम्मद और उसके कुछ साथियों की लिक रोड़ बान्द्रा पर सन-साईन होटल में आने की संभावना है। यह सूचना प्राप्त करने पर श्री आनन्द गणपतराव भिलारे, उप निरीक्षक और श्री दिलीप पांडुरंग सूर्यवंशी, उप-निरीक्षक, दो पुलिस कर्मियों और ट्रैफिक नियंत्रण ब्रांच के एक उप निरीक्षक के साथ तुरन्त लिफ्टिंग रोड़ पर गए और सन साईन के परिसर में प्रतीक्षा करने लगे।

8.45 बजे सांय को उन्होंने अनीस मोहम्मद को अपने दो साथियों के साथ होटल की तरफ आते देखा। पुलिस दल तुरन्त उनकी तरफ गया। श्री भिलारे ने अनीस मोहम्मद को आवाज दी और उसे आत्म-भूमर्षण के लिए ललकारा लेकिन वह आड़ लेने और पुलिस दल पर आक्रमण करने के लिए नजदीक के भवन स्वर्ण रेखा के परिसर में भाग कर चला गया। उसने पुलिस कर्मियों की तरफ गोली चलाई। जवाब में, श्री भिलारे और श्री सूर्यवंशी प्रत्येक ने अपनी सविस रिवाल्वरों से अनीस मोहम्मद पर एक रौंड गोली चलाई लेकिन इसका अपराधी पर कोई असर नहीं हुआ। जब अनीस मोहम्मद पुलिस अधिकारियों पर एक और रौंड गोली चलाने के लिए सामने आया तो श्री सूर्यवंशी ने उस पर गोली चलाई, जिसके परिणाम-स्वरूप वह जमीन पर गिर पड़ा। दो पुलिस अधिकारियों ने उसे तत्काल निशस्त्र कर दिया। इसी बीच ट्रैफिक ब्रांच के उप-निरीक्षक और पुलिस कर्मियों ने अनीस मोहम्मद के दो साथियों का मुकाबला किया। उनमें से एक को जब वह भागने की कोशिश कर रहा था उसे काबू कर लिया गया और उससे एक भरी हुई देशी पिस्तोल बरामद की गई लेकिन दूसरा व्यक्ति भागने में सफल हो गया। अपराधियों से एक विदेशी "बेबली" 38 बोर रिवाल्वर, 7 सक्रिय कारतूस और एक खाली कारतूस बरामद किया गया।

इस घटना में, श्री आनन्द गणपतराव भिलारे, उप निरीक्षक और श्री दिलीप पांडुरंग सूर्यवंशी उप निरीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 15 अक्टूबर, 1985 से दिये जाएंगे।

सं० 26-प्रेज/87—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राम विलाश पाण्डेय,

हवलदार,

पुलिस थाना: खाजेकला,

पटना।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

16 फरवरी, 1985 को हवलदार राम विलाश पाण्डेय, एक अन्य हवलदार तथा 3 कान्स्टेबलों का एक पुलिस दल शराब की एक दुकान पर पहुंचा जहां बम फटने की एक दुर्घटना हो गई थी। पुलिस दल ने घटना स्थल पर उपस्थित दो अपराधियों को गिरफ्तार किया परन्तु अन्य दो अपराधी दिलीप साऊ तथा दिलीप पासवान ने भागने की कोशिश की। श्री पाण्डेय ने तुरन्त पुलिस दल को क्षेत्र की खोजबीन के लिए दो ग्रुपों में बांटा। दोनों दल अपराधियों की तलाश में भिन्न-भिन्न दिशाओं में रवाना हुए। श्री पाण्डेय जब "बेगम की हवेली" नाम स्थान की ओर जा रहे थे, उन्होंने दिलीप साऊ और दिलीप पासवान को देखा और दिलीप साऊ को पकड़ लिया। दूसरे अपराधी ने भीघ्र अपना रिवाल्वर निकाला और हवलदार को दिलीप साऊ को छोड़ने के लिए ललकारा। दिलीप साऊ ने भी रिवाल्वर निकालने की कोशिश की परन्तु श्री पाण्डेय ने उसके हाथ से उसे छीन लिया। फिर भी दिलीप साऊ अपने आपको छुड़ाने में सफल हो गया और भाग गया। दिलीप पासवान ने हवलदार के दृढ़ निश्चय को देखकर उन पर एक बम फेंका जिसके विस्फोट से श्री पाण्डेय की दायां टांग जख्मी हो गयी और वे गिर गए। गंभीर चोट के बावजूद, उन्होंने दूसरे पुलिस दल को पुकारा जो भागते हुए अपराधी दिलीप साऊ को पकड़ने में सफल हुआ।

इस घटना में, श्री राम विलाश पाण्डेय, हवलदार ने उत्कृष्ट वीरता, साहस तथा उच्च कोटि की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 16 फरवरी, 1985 से दिया जाएगा।

सं० 27-प्रेज/87—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री स्वराज कुमार पुरी,

पुलिस अधीक्षक,

भोपाल।

श्री केशव प्रताप सिंह चौहान,

पुलिस उप-निरीक्षक,

भोपाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

2 दिसम्बर, 1984 की रात भोपाल की एक बहुत बड़ी विरल औद्योगिक दुर्घटना ने विचलित कर दिया जब यूनिथन कार्बाइड इंडिया लि० संयंत्र ने "मिथाईल आईसो साईनेट" (एम० आई० सी०) खतरनाक जहरीली गैस रिस गई और उसने क्षेत्र की निद्राग्रस्त जनता को प्रभावित कर दिया। भोपाल के पुलिस अधीक्षक श्री स्वराज कुमार पुरी, को इस दुर्घटना के बारे में मालूम हुआ और वे पुलिस नियंत्रण कक्ष में पहुँचे, जहाँ उपनिरीक्षक श्री केशव प्रताप सिंह चौहान ड्यूटी पर थे। गैस के रिसने से आँखों और नाक में जलन होने लगी, चक्कर आने लगे और मांस लेने में कठिनाई होने लगी और सभी लोग प्रभावित क्षेत्र से आतंक के कारण भाग रहे थे। अपने जीवन की परवाह न करते हुए, श्री स्वराज कुमार पुरी और श्री केशव प्रताप सिंह चौहान प्रभावित क्षेत्र में न केवल उपस्थित रहे अपितु लोगों को हटाने के लिए परिवहन की व्यवस्था करने के लिए शीघ्र उपाय किए तथा तत्काल राहत और अन्य आवश्यक उपायों की व्यवस्था की। गैस रिसने के कारण पुलिस नियंत्रण कक्ष के आस-पास बड़ी संख्या में व्यक्ति मारे गए। कठिन परिस्थिति के कारण भारी दबाव पड़ने पर वे विचलित नहीं हुए और अपनी तथा अपने परिवार के सदस्यों की जिन्दगी को संकट में डालते हुए साहस पूर्वक कार्रवाई करने लगे। दोनों अधिकारी अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहे जबकि लगभग प्रत्येक व्यक्ति जहरीली गैस के प्रभाव के कारण घटना स्थल से भाग खड़ा हुआ। इन अधिकारियों द्वारा लोगों को वहाँ से हटाए जाने की कार्रवाई के परिणामस्वरूप बीसियों व्यक्तियों की जाने बचा ली गयी।

इस घटना में श्री स्वराज कुमार पुरी, पुलिस अधीक्षक और श्री केशव प्रताप सिंह चौहान, पुलिस उप-निरीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्च कांति की कर्तव्य परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 2 दिसम्बर 1984 से दिया जाएगा।

सु० नीलकण्ठ  
राष्ट्रपति का उप सचिव

उद्योग मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 फरवरी 1987

आदेश

सं० 27/9/87-सी० एल०-2—कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209-क की उपधारा (1) के खंड (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा कम्पनी कार्य विभाग के श्री पी० राजगोपालन, सहायक निरीक्षण अधिकारी, को कथित धारा 209-क के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करती है।

आर० डी० मखीजा, अव्वर सचिव

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

सं० ए-11019/2/86-स्था०/शुगर डेस्क-1—शर्करा निदेशालय, खाद्य विभाग में लागत लेखाकार के पदों का तत्काल प्रभाव से कनिष्ठ लागत लेखा अधिकारी का पुनः पदनाम दिया गया है।

वी० एम० सदी, डेस्क अधिकारी

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(परिवार कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1986

शुद्धि-पत्र

सं० आर० 17011/34/85-सी० एंड जी०—दिनांक 17 जून, 1986 के संकल्प सं० आर० 17011/34/85-सी० एंड जी० में क्रम संख्या 6 पर "डा० (कु०) रजनी बहन" नाम के स्थान पर छपया "डा० (कु०) रागिनी बहन" पढ़ा जाए।

2. उक्त संकल्प की क्रम संख्या 8 और 11 की प्रतिलिपियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए:—

क्रम सं० 8 श्रीमती रामी ठावरदा, पदेन सदस्य  
सलाहकार

(जन प्रचार एवं संचार)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण  
मंत्रालय।

क्रम सं० 11 श्री पालाट मोहन दाम, संयोजक एवं सदस्य  
संयुक्त सचिव,  
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण  
मंत्रालय।

आदेश

आदेश किया जाता है कि उक्त शुद्धि-पत्र की प्रतिलिपि सभी राज्य सरकारों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को भेजी जाए तथा इस शुद्धि-पत्र को सर्वसाधारण की सूचना के लिए भारत के राज-पत्र में प्रकाशित किया जाए।

पालाट मोहन दाम संयुक्त सचिव

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

सं० 315/3/84-एफ० पी०—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 6/10/75-एफ० पी०, दिनांक 12-9-1975 के अनुसरण में और इस विषय पर पहले की अधिसूचनाओं का अतिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार तत्काल से अगले आदेश तक निम्न-लिखित व्यक्तियों को फिल्म सलाहकार बोर्ड का सदस्य एतद्वारा नामित करती है:—

- (1) श्री के० एल० खांडपुर (2) श्रीमती स्नेहप्रभा प्रधान
- (3) श्री बी० डी० गर्ग (4) श्री भीम सैन
- (5) श्रीमती ज्योति त्रिवेदी (6) श्री इरवैल ई० मेनेजस

मुकुमार मण्डल, डेस्क अधिकारी

## कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग

## नियम

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1987

सं० 9/1/87-के० सं० (II)—जुलाई, 1987 में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा, पर्यटन विभाग (मुख्यालय स्थापना) केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा भारत निर्वाचन आयोग के सचिवालय के उच्च श्रेणी ग्रेड की चयन सूचियों में सम्मिलित करने के लिए एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा के लिए नियम सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. चयन सूचियों में सम्मिलित किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी की गई विज्ञापित में बता दी जाएगी। केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण किए जाएंगे।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अभिप्राय उस किसी भी जाति से है जो निम्नलिखित में उल्लिखित है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 संविधान, (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950 संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमालय प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970, तथा उन पूर्वोक्त क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा, संशोधित किए गए के अनुसार संविधान (जम्मू व कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश 1956 संविधान (अंडमान तथा निकोबार दीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959 संविधान (दादरा तथा नाग हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति, आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967 संविधान (गोवा दमन तथा दीव) अनुसूचित जाति आदेश 1968 संविधान (गोवा दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968, संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति (संशोधन), अधिनियम, 1976 संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा इस परीक्षा का कार्य संचालित इन नियमों के परिशिष्ट, में विहित विधि से किया जाएगा।

किस तारीख को और कितने-कितने स्थानों पर परीक्षा ली जायेगी, इसका निर्धारण आयोग करेगा।

4. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा अथवा पर्यटन विभाग (मुख्यालय स्थापना) अथवा केन्द्रीय सतर्कता आयोग अथवा भारत के निर्वाचन आयोग के अवर श्रेणी ग्रेड या ऐसा कोई स्थायी अथवा नियमित रूप में नियुक्त अस्थायी अधिकारी जो 1 अगस्त, 1987 को निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो, इस परीक्षा में बैठ सकेगा :—

(1) 1 अगस्त, 1987 को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में अथवा पर्यटन विभाग (मुख्यालय स्थापना) अथवा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के अवर श्रेणी लिपिक पद पर उसकी पांच वर्ष से कम की अनुमोदित तथा लगातार सेवा अथवा भारत के निर्वाचन आयोग के सचिवालय में उसकी 3 वर्ष से कम की अनुमोदित तथा लगातार सेवा नहीं होनी चाहिए।

परन्तु यदि केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक अथवा पर्यटन विभाग (मुख्यालय स्थापना) अथवा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के अवर श्रेणी ग्रेड में उसकी नियुक्ति प्रतियोगितात्मक परीक्षा जिसमें सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा के परिणाम निर्णायक तारीख से कम से कम पांच वर्ष पहले घोषित हुए होने चाहिए तथा उसकी उस ग्रेड में कम से कम चार वर्ष की अनुमोदित और लगातार सेवा होनी चाहिए।

परन्तु यदि भारत के निर्वाचन आयोग के सचिवालय के अवर श्रेणी लिपिक के पद पर उसकी नियुक्ति प्रतियोगितात्मक परीक्षा, जिसमें सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा भी शामिल है, के परिणाम के आधार पर हुई हो, तो ऐसी परीक्षा के परिणाम निर्णायक तारीख से कम से कम 3 वर्ष पहले घोषित हुए होने चाहिए तथा उसकी उस ग्रेड में कम से कम 2 वर्ष की अनुमोदित और लगातार सेवा होनी चाहिए।

टिप्पणी 1 :—स्वीकृत तथा लगातार सेवा की 5 वर्ष की सीमा उस अवस्था में भी लागू होगी यदि किसी उम्मीदवार की कुल विचारणीय सेवा अंशतः केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा पर्यटन विभाग (मुख्यालय स्थापना) अथवा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में अवर श्रेणी लिपिक के रूप में और अंशतः उच्च श्रेणी लिपिक के रूप में की गई हो।

टिप्पणी 2 :—अनुमोदित तथा लगातार सेवा की 3 वर्ष की सीमा उस अवस्था में भी लागू होगी, यदि किस उम्मीदवार की कुल विचारणीय सेवा अंशतः भारत के निर्वाचन आयोग के सचिवालय में अवर श्रेणी लिपिक के रूप में और अंशतः उच्च श्रेणी लिपिक के रूप में की गई हो।

टिप्पणी 3 :—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा अथवा भारत के निर्वाचन आयोग के सचिवालय अथवा पर्यटन विभाग (मुख्यालय

स्थापना) अथवा केन्द्रीय सतर्कता आयोग का कोई स्थायी अथवा नियमित रूप से नियुक्त अस्थायी अथवा श्रेणी लिपिक, जिसमें 26 अक्टूबर, 1962 को जारी की गई आपात्काल की उद्घोषणा के प्रवर्तन काल में अर्थात् 26 अक्टूबर, 1962 से 9 जनवरी 1968 तक सशस्त्र सेना में सेवा की हो, सशस्त्र सेना में प्रत्यावर्तन पर सशस्त्र सेना में अपनी सेवा की अवधि (प्रशिक्षण की अवधि मिलाकर यदि कोई हो) निर्धारित न्यूनतम सेवा में गिन सकेगा; अथवा

टिप्पणी 4 :—ऐसे अथवा श्रेणी लिपिक जो सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से निःसंवर्गीय पदों पर प्रतिनियुक्ति हो उन्हें, अन्यथा पात्र होने पर इस परीक्षा में भाग लेने का पात्र समझा जाएगा। तथा वह बात उन अथवा श्रेणी लिपिकों पर लागू नहीं होती जो स्थानान्तरित रूप में निःसंवर्गीय पदों पर या अन्य सेवा में नियुक्त किए गए हों, और केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा अथवा भारत के निर्वाचित आयोग के सचिवालय अथवा पर्यटन विभाग (मुख्यालय स्थापना) अथवा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निम्न श्रेणी ग्रेड में ग्रहण अधिकार (लियन) न रखते हों।

(2) आयु :—

(क) यदि वह पैरा 1 में वर्णित किन्हीं भी सेवाओं में स्थायी अथवा निमित्त रूप से नियुक्त अथवा श्रेणी लिपिक है तो 1-8-87 को उसकी आयु 50 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1937 से पूर्व नहीं हुआ हो।

(ख) उपरिलिखित ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित और छूट होगी :—

(i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1974 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका

समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका में सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,

(vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो, और उसने कीनिया, उगांडा, या तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,

(vii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और किसी अनुसूचित जाति या आदिम जाति का हो तथा केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन हो तो अधिकतम 8 वर्ष तक,

(viii) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित, भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक;

(ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजित हुआ हो, तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक,

(x) किसी हमारे देश में संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों को करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा सेवा कर्मियों के मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक,

(xi) किसी हमारे देश के संघर्ष के दौरान अथवा उपद्रवग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियां करते समय अशक्त हुए तथा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त, अनुसूचित जातियों तथा आदिम जातियों से संबंधित रक्षा सेवा कर्मियों के मामले में अधिकतम 8 वर्ष तक;

(xii) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कर्मियों के मामलों में अधिकतम 3 वर्ष तक;

- (xiii) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाहियों में विकलांग हुए तथा उनके फलस्वरूप निर्मूलक किए गए सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कर्मियों के मामले में अधिकतम 8 वर्ष तक, जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों,
- (xiv) यदि उम्मीदवार वियतनाम से भारतीय मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है, तथा भारत में जुलाई, 1975 से पहले नहीं आया है, तो उसके मामले में अधिकतम 3 वर्ष तक, और
- (xv) यदि उम्मीदवार वियतनाम में भारतीय मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है, तथा भारत में जुलाई, 1975 से पहले नहीं आया हो और वह किसी अनुसूचित या आदिम जाति का हो तो उसके मामले में अधिकतम 8 वर्ष तक,
- (xvi) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से आया हुआ विस्थापित हो और पहली जनवरी, 1971 से 31 मार्च, 1973 के दौरान प्रजनन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष,
- (xvii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो और भूतपूर्व पाकिस्तान से आया हुआ विस्थापित हो और पहली जनवरी, 1971 से 31 मार्च, 1973 के दौरान प्रजनन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष जो कि उपरोक्त पैरा (xvi) के अतिरिक्त होगी, और
- (xviii) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो तो अधिक से अधिक 10 वर्ष।

ऊपर बताई गई स्थितियों के अतिरिक्त निर्धारित आयु सीमा में किसी भी अवस्था में छूट नहीं दी जाएगी।

(3) टंकण परीक्षा :—यदि किसी उम्मीदवार को अवर श्रेणी ग्रेड में स्थाईकरण के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षणशाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कूल)/अधीनस्थ सेवा आयोग/कर्मचारी चयन आयोग की मासिक/तिमाही टाईप की परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट मिली हो तो इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख को या इससे पहले यह टाईप की परीक्षा उत्तीर्ण कर लेनी चाहिए।

5. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पावता या अपावता के बारे में इस आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

6. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

7. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्न-लिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने:—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिसमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं, या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित प्रथा या अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाए हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी कार्य के द्वारा आयोग को अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया है, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है, और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा इस परीक्षा, जिसका यह उम्मीदवार है, के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए —

- (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से, वारित किया जा सकता है और

(ग) उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

8. यदि कोई उम्मीदवार किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने में कोई कोशिश करेगा तो आयोग द्वारा उसका आचरण ऐसा समझा जाएगा जिसमें उसे परीक्षा में बैठने के लिए अयोग्य करार दिया जाएगा।



9. उन उम्मीदवारों को छोड़कर जो इस आयोग की विज्ञप्ति के उपबन्धों के अनुसार फीस भाफी का दावा करते हों, बाकी उम्मीदवारों को निर्धारित फीस का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

10. आयोग परीक्षा के बाद हरेक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों के आधार पर उनकी योग्यता के क्रम से उनके नामों की पाँच अलग-अलग सूचियाँ तैयार करेगा और उसी क्रम से उतने ही उम्मीदवारों के नाम अपेक्षित संख्या तक उच्च श्रेणी ग्रेड का प्रवर सूची में शामिल करने की सिफारिश करेगा जो आयोग के निर्णय के अनुसार परीक्षा द्वारा योग्य माने गए हों।

परन्तु यदि किसी अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित रिक्त स्थानों तक नहीं भरे जा सकते, तो आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए स्तर में छूट देकर परीक्षा में योग्यता क्रम में उनके रैंक का ध्यान किए बिना, यदि वे योग्य हुए तो आयोग द्वारा सिफारिश की जा सकेगी।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक परीक्षा (क्वालिफाइंग एक्जामिनेशन)। इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रवर सूची में कितने उम्मीदवारों के नाम शामिल किए जाएँ, इसका निर्णय करने के लिए सरकार पूरी तरह सक्षम है। इसलिए कोई भी उम्मीदवार अधिकार के तौर पर इस बात का कोई दावा नहीं कर सकेगा कि उसके द्वारा परीक्षा में दिए गए उत्तरों के आधार पर उसका नाम प्रवर सूची में शामिल किया जाए।

11. हर उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में तथा किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग अपने विवेकानुसार करेगा और आयोग परिणामों के बारे में उनसे कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

12. परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाने से चयन का अधिकार तब तक नहीं मिलता जब तक कि संवर्ग प्राधिकारी आवश्यक जांच के बाद सन्तुष्ट न हो जाये कि सेवा में उसके आचरण को देखते हुए उम्मीदवार हर प्रकार से चयन के लिये उपयुक्त है।

किन्तु इस सम्बन्ध में निर्णय कि क्या आयोग द्वारा चयन के लिये सिफारिश किया गया कोई विशेष उम्मीदवार उपयुक्त नहीं है, कर्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के परामर्श से किया जायेगा।

13. जो उम्मीदवार परीक्षा में बैठने के लिये आवेदन पत्र देने के लिये बाद या परीक्षा में बैठ जाने के बाद केन्द्रीय

सचिवालय लिपिक सेवा/रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा/निर्वाचन आयोग/पर्यटन विभाग/केन्द्रीय सतर्कता आयोग के अपने पद से त्याग पत्र दे देगा अथवा अन्य किसी प्रकार से उस सेवा को छोड़ देगा या उससे अपना सम्बन्ध विच्छेद कर लेगा या जिसकी सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी गई हो या किसी निःसंवर्गीय पद या दूसरी सेवा में "स्थानान्तरण" द्वारा नियुक्त किया जा चुका हो और के० स० लि० से०/रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा/निर्वाचन आयोग/पर्यटन विभाग/केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निम्न श्रेणी ग्रेड में ग्रहण अधिकार न रखता हो, वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

तथापि यह उस प्रवर श्रेणी लिपिक पर लागू नहीं होता जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्गीय पद पर प्रतिनियुक्त किया जा चुका हो।

एच० जी० मण्डल, प्रवर सचिव

#### परिशिष्ट

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार होगी :—

भाग 1 : नीचे परिच्छेद में बताए गए विषयों की कुल 300 अंकों की लिखित परीक्षा।

भाग 2 : आयोग द्वारा विवेकानुसार ऐसे उम्मीदवारों के सेवावृत्तों (रिकार्ड आफ सर्विस) का मूल्यांकन जो लिखित परीक्षा में ऐसा न्यूनतम स्तर प्राप्त करते हैं, जिसके बारे में आयोग फैसला करेगा, और इसके लिए अधिकतम अंक 100 होंगे।

2. भाग 1 में बताई गई लिखित परीक्षा के विषय, प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए अधिकतम अंक तथा दिया जाने वाला समय इस प्रकार होगा :—

विषय	अधिकतम अंक	दिया गया समय
(1) निबंध तथा सार लेखन		
(क) निबन्ध	50	100
(ख) सार लेखन	50	
(2) आलेखन व टिप्पण तथा कार्यालय पद्धति	100	2 घंटे
(3) सामान्य ज्ञान	100	2 घंटे

टिप्पणी:—निम्नलिखित तीनों श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए टिप्पण, प्रारूप लेखन तथा कार्यालय पद्धति के प्रश्न-पत्र अलग-अलग होंगे :—

(1) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, पर्यटन विभाग तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग।

(2) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा, और

अनुसूची

(3) निर्वाचन आयोग।

परीक्षा का पाठ्यक्रम विवरण

3. परीक्षा का पाठ्य विवरण नीचे दी गई अनुसूची के अनुसार होगा।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्र के उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प करने की अनुमति दी जाती है परन्तु शर्त है कि सभी प्रश्न पत्रों अर्थात् ( ) निबन्ध तथा सार लेखन, अथवा (ii) टिप्पणी लेखन, मसौदा लेखन और कार्यालय पद्धति, अथवा (iii) सामान्य ज्ञान में किसी एक प्रश्न पत्र का उत्तर सभी उम्मीदवारों को अंग्रेजी में अवश्य लिखना है।

टिप्पणी 1:—यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र के लिए होगा न कि एक ही प्रश्न-पत्र में अलग-अलग प्रश्नों के लिए।

टिप्पणी 2:—जो उम्मीदवार उपरोक्त प्रश्न-पत्र के उत्तर अंग्रेजी में अथवा हिन्दी (देवनागरी) में लिखना चाहते हैं उन्हें यह बात आवेदन पत्र के कालम 6 में स्पष्ट रूप में लिख देना चाहिए। अन्यथा यह समझा जायेगा कि वे प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में लिखेंगे।

टिप्पणी 3: एक बार रखा गया विकल्प अंतिम माना जाएगा और आवेदन पत्र के कालम 6 में परिवर्तन करने के संबंधित कोई अनुरोध माधारणतया स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी 4: प्रश्न पत्र हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में दिए जाएंगे।

टिप्पणी 5: उम्मीदवारों द्वारा अपनाई गई (प्राप्त की गई) भाषा को छोड़कर अन्य किसी भाषा में लिखे उत्तर को कोई महत्व नहीं दिया जाएगा।

5. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. आयोग अपने विवेक से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालिफाइंग नम्बर) निर्धारित कर सकता है।

7. केवल कोरे सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जायेंगे।

8. खराब लिखावट के कारण लिखित विषयों के अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत तक अंक काट दिए जाएंगे।

9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि भावाभिव्यक्ति कम से कम शब्दों में, क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई है।

(1) निबन्ध तथा सार लेखन

(क) निबन्ध : विहित कई विषयों में से किसी एक पर निबन्ध लिखना होगा।

(ख) सार लेखन : सूक्ष्म सार लिखने के लिए सामान्यतः अनुच्छेद दिए जाएंगे।

(2) टिप्पणी व आलेख तथा कार्यालय पद्धति—इस प्रश्न-पत्र का प्रयोजन सचिवालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों में कार्यालय पद्धति के बारे में उम्मीदवारों का ज्ञान और सामान्यतः टिप्पण व आलेखन के लिखने तथा समझने में उम्मीदवारों की योग्यता जांचना है।

केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, पर्यटन विभाग तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के उम्मीदवारों को चाहिए कि इसके लिए कार्यालय पद्धति की नियम पुस्तक (मैन्युअल आफ आफिस प्रोसीजर)—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा जारी की गई कार्यालय पद्धति पर टिप्पणियाँ रूल्स आफ प्रोसीजर एण्ड कण्डक्ट्स आफ विजिनेस इन लोक सभा एण्ड राज्य सभा तथा संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रयोग से संबंधित गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई आदेश पुस्तिका पढ़ें।

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उम्मीदवारों को चाहिए कि वे रेलवे बोर्ड द्वारा जारी की गई कार्यालय पद्धति संहिता और लोक सभा और राज्य सभा में प्रक्रिया तथा कार्य संचालन के नियमों और संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रयोग से संबंधित गृह मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आदेशों की हस्त पुस्तिका और इस प्रयोजन के लिए राजभाषा के प्रयोग से संबंधित भारतीय रेलवे के आदेशों के संकलन का अध्ययन करें।

भारत के निर्वाचन आयोग के उम्मीदवारों को चाहिए कि वे कार्यालय पद्धति की नियम (मैन्युअल आफ आफिस प्रोसीजर) सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबन्ध संस्थान द्वारा जारी की गई कार्यालय पद्धति पर, टिप्पणियाँ, तथा संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रयोग से सम्बन्धित गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गई आदेश पुस्तिका पढ़ें।

(3) सामान्य ज्ञान:—सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र का उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ प्रत्याशी का भारतीय भूगोल तथा देश के प्रशासन सम्बन्धी ज्ञान तथा राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय दोनों की वर्तमान घटनाओं के प्रति बुद्धिमत्ता पूर्ण जागरूकता जिसकी किसी शिक्षित मनुष्य में अपेक्षा की जा सकती है, की परीक्षा लेना है। प्रत्याशियों के उत्तरों से उनके लिए किन्हीं पाठ्य पुस्तकों प्रतिवेदनों इत्यादि के विस्तृत ज्ञान की अपेक्षा नहीं अपितु उन प्रश्नों को बुद्धिमत्तापूर्ण तौर पर समझने की क्षमता प्रदर्शित हो।

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 25th February 1987

No. 24-Pres/87.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

*Names and rank of the Officers*

Shri Narayan Singh,  
Sub-Inspector,  
'C' Coy. of 14 Bn., C.R.P.F.,  
(Camp : Dimapur—Nagaland)

Shri Sarwan Singh,  
Head Constable No. 630140581,  
'C' Coy of 14 Bn., C.R.P.F.,  
(Camp : Dimapur—Nagaland)

Shri Bachan Lal,  
Constable No. 830745681,  
'C' Coy of 14 Bn., C.R.P.F.,  
(Camp : Dimapur—Nagaland)

party took up positions near the hide-out and instructed awarded

On the 22nd February, 1985 an information was received that some underground Naga Hostiles were camping in the vicinity of the town. Officers Commanding, Police Station (East and West) Dimapur planned to have a crack at them. They requisitioned force from the 'C' Coy of 14 Bn., Central Reserve Police Force. Sub-Inspector Narayan Singh, Head Constable, Sarwan Singh and Constable Bachan Lal with five other Constables were specially deputed for the job. It was decided that the section under Sub-Inspector Narayan Singh would raid the hide-out of the undergrounds on the Kohima-Dimapur road, and accordingly the party left at mid-night, and cordoned off the area, sealing all possible exist points. The two S.H.O's who were in that party took up positions near the hide-out and instructed Shri Narayan Singh to deploy his section on the west of the particular hut, where the undergrounds were reported to be hiding. Shri Narayan Singh, deployed his men at a point from where they could clearly observe the movement of undergrounds. After waiting for sometime, SHO (East) instructed one Head Constable to knock at the door of the hut. He knocked at the door, but there was no response. However, some movements from inside the hut were noticed and clatter of weapons being loaded was heard. On being further challenged, the door of the hut slowly opened and two hand grenades were lobbed from inside. The Head Constable who was at the entrance died instantaneously and one Sub-Inspector sustained injury. Sensing danger the undergrounds tried to sneak out of the hut from the rear, but the section under the command of Shri Narayan Singh, foiled their attempt and kept on firing at them, resulting in the death of three undergrounds, including SS Lt. Col. Ishoshe Sema, on the spot. Shri Sarwan Singh and Shri Bachan Lal kept on firing at the fleeing undergrounds. On further challenge, only one female came out of the hut. One foreign made pistol, live/empty cartridges and personal diary (giving vital information about the movements/plans of the undergrounds in Manipur/Nagaland) were recovered from the criminals.

In this encounter, Shri Narayan Singh, Sub-Inspector, Shri Sarwan Singh, Head Constable and Shri Bachan Lal, Constable, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4 (i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from 22nd February, 1985.

No. 25-Pres/87.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Maharashtra Police :—

*Names and rank of the Officers*

Shri Anand Ganpatrao Bhilare,  
Sub-Inspector of Police,  
Detection of Crime Branch, CID,  
Greater Bombay.

Shri Dilip Pandurang Suryawanshi,  
Sub-Inspector of Police,  
Detection of Crime Branch, CID,  
Greater Bombay.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 15th October, 1985, an information was received that notorious Criminal Anis Mohomod and some of his associates were expected to visit Hotel Sun-Shine on Linking Road, Bandra. On getting this information, Shri Anand Ganpatrao Bhilare, Sub-Inspector and Shri Dilip Pandurang Suryawanshi, Sub-Inspector, together with two Policemen and 1 Sub-Inspector of Traffic Control Branch, rushed to Linking Road and waited in the vicinity of Sun-Shine Hotel.

At about 8.45 p.m., they noticed Anis Mohomod, along with his two associates, coming towards the Hotel. The Police party rushed towards them. Shri Bhilare accosted Anis Mohomod and challenged him to surrender but he ran inside the compound of nearby Suvaranarekha Building to take cover and to attack the Police party. He fired a shot in the direction of Policemen. Shri Bhilare and Shri Suryawanshi in return fired one round each at Anis Mohomod from their service revolvers, but this had no effect on the criminal. When Shri Anis Mohomod exposed himself to fire on more round at the Police officers, Shri Suryawanshi fired at him, as a result of which he collapsed on the ground. He was immediately disarmed by two Police Officers. In the meantime Sub-Inspector of Traffic Branch and Policemen tackled the two associates of Anis Mohomod. One of them was overpowered, while he was trying to run away and loaded country made revolver was recovered from him, but the other person managed to escape. One imported 'Webley' made .38 bore revolver, 7 live cartridges and one empty cartridge were recovered from the criminals.

In this incident, Shri Anand Ganpatrao Bhilare, Sub-Inspector and Shri Dilip Pandurang Suryawanshi, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4 (i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowances admissible under rule 5, with effect from 15th October, 1985.

No. 26-Pres/87.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

*Names and rank of the Officer*

Shri Ram Bilas Pandey,  
Havildar,  
Police Station Khajekala,  
Patna.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 16th February, 1985 a Police party consisting of Havildar Ram Bilash Pandey, another Havildar and three Constables reached a liquor shop, where an incident of bomb blast had occurred. The Police party succeeded in arresting two criminals, who were found at the spot, but two others viz. Dilip Sao and Dilip Paswan tried to escape. Immediately Shri Pandey divided the Police party in two groups for combing the area. Both the parties proceeded in two different directions in search of the criminals. Shri Pandey while proceeding towards a place known as 'Begum kee Haveli' saw Dilip Sao and Dilip Paswan and managed to catch hold of Dilip Sao. Immediately the other criminals took out his revolver and challenged him to free Dilip Sao. Dilip Sao also tried to take out his revolver, but Shri Pandey snatched it from his hand. Dilip Sao, however, succeeded in getting himself freed and fled away. Dilip Paswan seeing the determined attitude of the Havildar, threw a bomb which blasted and caused serious injury in the right leg of Shri Pandey, who fell down. Despite his serious injury, he called the other Police party which succeeded in capturing the fleeing culprit Dilip Sao.

In this incident, Shri Ram Bilash Pandey, Havildar displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 16th February, 1985.

No. 27-Pres/87.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police :—

*Name and rank of the Officers.*

Shri Swaraj Kumar Puri,  
Superintendent of Police,  
Bhopal.

Shri Keshao Pratap Singh Chouhan,  
Sub-Inspector of Police,  
Bhopal.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the night of 2nd December, 1984, Bhopal was rocked by the greatest ever Industrial disaster when the deadly poisonous 'Methyls Iso Cynate' (MIC) gas leaked from the Union Carbide India Ltd. plant and settled on sleeping population of the area. Shri Swaraj Kumar Puri, Superintendent of Police, Bhopal learnt about this disaster and reached the Police Control Room, where Sub-Inspector Keshao Pratap Singh Chouhan was on duty. The gas leakage was causing great irritation to the eyes, nausea, giddiness and difficulty in breathing and everybody was running away in panic from the engulfed area. Shri S. K. Puri and Shri Chouhan, without caring for their lives, not only remained present in the affected area, but also took immediate measures to provide transport to evacuate persons, organised immediate relief and other necessary measures. A large number of persons died around the Police Control Room due to the leakage of the gas. Despite heavy stress of the difficult situation, they kept their cool and courageously organised the operation putting their own lives and the lives of the members of their family at peril. Both the officers continued to do their duty when almost everybody else ran away from the scene due to the effect of poisonous gas leakage. As a result of the process of evacuation by these officers, the lives of scores of persons were saved.

In this incident, Shri Swaraj Kumar Puri, Superintendent of Police and Shri Keshao Pratap Singh Chouhan, Sub-Inspector of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4 (i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd December, 1984.

S. NILAKANTAN, Dy. Secy.  
to the President

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

New Delhi, the 12th February 1987

ORDER

No. 27/9/87-CL. II.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of sub-section (I) of Section 209-A of the Companies Act, 1956 (I of 1956), the Central Government hereby authorises Shri P. Rajagopalan, Asstt. Inspecting Officer, in the Department of Company Affairs for the purpose of said section 209-A.

R. D. MAKHEEJA, Under Secy.

MINISTRY OF FOOD & CIVIL SUPPLIES

(DEPARTMENT OF FOOD)

New Delhi, the 10th February 1987

No. A. 11019/2/86-Estt./Sugar Desk-1.—The post of Cost Accountant have been redesignated as Junior Cost Accounts Officer in the Directorate of Sugar, Department of Food with immediate effect.

B. M. SADDI, Desk Officer

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

DEPARTMENT OF FAMILY WELFARE

New Delhi, the 29th July 1986

CORRIGENDUM

No. R.17011/34/85-C&G.—In Resolution No. R.17011/34/85-C&G dated 17th June, 1986. For the name "Dr. (Ms.) Rajni Behn" occurring at Serial No. 6 please read "Dr. (Ms.) Ragini Behn".

Entries against Sl. No. 8 and 11 thereof may please be substituted by the following :—

Sl. No. 8 Smt. Rami Chhabra ex-office Member.

Adviser (Mass Media & Communication)

Ministry of Health and Family Welfare.

Sl. No. 11 Shri Palat Mohandas—Convenor & Member  
Secretary

Joint Secretary,  
Ministry of Health and Family Welfare

ORDER

ORDERED that a copy of the Corrigendum be communicated to all State Governments/U.Ts. and that the Corrigendum may be published in the Gazette of India for general information.

PALAT MOHANDAS, Jt. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 10th February 1987

No. 315/3/84-FP.—In pursuance with this Ministry's Resolution No. 6/10/75-FP dated 12-9-75 and in supersession of earlier notifications on the subject, the Central Government hereby nominates the following persons as Members of the Film Advisory Board, with immediate effect, until further orders :—

(i) Shri K. L. Khandpur

(ii) Ms. Snchprabha Pradhan

(iii) Shri B. D. Garga

(iv) Shri Bhim Sain.

(v) Smt. Jyoti Trivadi

(vi) Shri Ervell E. Menezes.

SUKUMAR MANDAL, Desk Officer

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING

RULES

New Delhi, the 7th March, 1987

No. 9/1/87-CS.II.—The Rules for a Limited Departmental Competitive Examination for inclusion in the Select Lists for the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, Railway Board Secretariat Clerical Service, Department of Tourism (Headquarters Estt.), Central Vigilance Commission and Secretariat of Election Commission of India to be held by the Staff Selection Commission in July, 1987 are published for general information.

2. The number of persons to be selected for inclusion in the Select Lists will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations shall be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the orders issued by the Central Govt. from time to time in this regard Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes), Order, 1950, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes), (Union Territories) Order, 1951, the constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order.

1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Re-organisation Act, 1960, the Punjab Re-organisation Act 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Re-organisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order 1978, and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order 1978.

3. The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in the Appendix to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. Any permanent or regularly appointed temporary officer of the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service, or the Department of Tourism (Headquarters Estt.) or Central Vigilance Commission or the Election Commission of India who on the 1st August, 1987, satisfies the following conditions, shall be eligible to appear at the examination.

#### (1) Length of Service

He should have on the 1st August, 1987, rendered an approved and continuous service of not less than 5 years in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, or Railway Board Secretariat Clerical Service or in the post of Lower Division Clerk in the Department of Tourism (Headquarters Estt.) or in the Central Vigilance Commission or an approved and continuous service of not less than 3 years in the post of Lower Division Clerk in the Secretariat of Election Commission of India:

Provided that if he had been appointed in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, Railway Board Secretariat Clerical Service or the Department of Tourism (Headquarters Estt.) or the Central Vigilance Commission on the results of a competitive examination, including a Limited Departmental Competitive Examination the results of such examination should have been announced not less than 5 years before the crucial date and should have rendered not less than 4 years approved and continuous service in that Grade:

Provided that if he had been appointed to a Post of Lower Division Clerk in the Secretariat of Election Commission of India on the results of a Competitive Examination, including a Limited Departmental Competitive Examination, the results of such examination should have been announced not less than 5 years before the crucial date and should have rendered not less than 2 years approved and continuous service in that Grade.

Note 1—The limit of 5 years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of a candidate is partly as a Lower Division Clerk and partly as Upper Division Clerk in the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service or the Department of Tourism (Headquarters Estt.) or the Central Vigilance Commission.

Note 2—The limit of 3 years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of a candidate is partly as a Lower Division Clerk and partly as Upper Division Clerk in the Secretariat of Election Commission of India.

Note 3—Any permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerk of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service or of the Secretariat of Election Commission of India or of Department of Tourism (Headquarters Estt.) or of Central Vigilance Commission who joined the Armed Forces during the period of operation of the proclamation of Emergency issued on 26th October, 1962, namely, 26th October, 1962 to 9th January, 1968, would on reversion from the Armed Forces, be allowed to count the period of his service (including the period of training, if any) in the Armed Forces towards the prescribed minimum service.

Note 4—Lower Division Clerks who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible. This however does not apply to a Lower Division Clerk who has been appointed to an ex-cadre post or to another Services on 'transfer' and does not have a lien in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service or Railway Board Secretariat Clerical Service or the Secretariat of Election Commission of India or the Department of Tourism (Headquarters Estt.) or the Central Vigilance Commission.

#### (2) Age—

(a) He should not be more than 50 years of age on 1st August, 1987 i.e. he must not have been born earlier than 2nd August, 1937, if he is a permanent or regularly appointed Lower Division Clerk of any of the Services mentioned in para 1 above.

(b) The upper age limit prescribed above will be further relaxable—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian and has migrated from Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (vii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (viii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin

from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (x) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xi) upto a maximum of eight years in the case of Defence Service Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;
- (xiii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xiv) upto a maximum of three years if the candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Vietnam and has migrated to India, not earlier than July, 1975;
- (xv) upto a maximum of eight years if the candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Vietnam and has migrated to India not earlier than July, 1975;
- (xvi) upto a maximum of 3 years if a person is displaced from the erstwhile West Pakistan and has migrated to India during the period from 1st January, 1971 to 31st March, 1973;
- (xvii) upto a maximum of 5 years in addition to the relaxation as at (xvi) above if a candidate belongs to Scheduled Caste/Scheduled Tribe and displaced from the erstwhile West Pakistan and has migrated to India during the period from 1st January, 1971 to 31st March, 1973; and
- (xviii) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.**

(3) Typewriting Test : Unless exempted from passing the Monthly/Quarterly Typewriting Test held by Union Public Service Commission/Secretariat Training School/Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing)/Subordinate Service Commission/Staff Selection Commission for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade, he should have passed this test on or before the date of notification of the examination.

5. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

6. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

7. A candidate who is or has been declared by Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—
  - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period :
    - (i) by the Commission from any examination or selection held by them;
    - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
  - (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

8. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Commission to be a conduct which would disqualify him for admission to the examination.

9. Candidates must pay the prescribed fee except those who are claiming fee concession in terms of provisions in the Commission's notice.

10. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in five separate lists in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select List for the Upper Division Grade upto the required number;

Provided that the candidate belonging to any of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates, for inclusion in the Select List for the Upper Division Grade irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Note—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be included in the Select List for the Upper Division Grade on the results of the examination is entirely, within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for inclusion in the Select List on the basis of his performance in his examination, as a matter of right.

11. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in its discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

12. Success in the examination confers no right to selection unless the cadre authority is satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his conduct in service, is suitable in all respects for selection :

Provided that the decision as to whether a particular candidate recommended for selection by the Commission is not suitable shall be taken in consultation with the Department of Personnel & Training.

13. A candidate who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment in the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service/Election Commission/Department of Tourism (Headquarters Estt)/Central Vigilance Commission or whose services are terminated by his connection with it, or whose services are terminated by the Department or, who is appointed to an ex-cadre post

or to another Service on 'transfer' and does not have a lien in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service/Railway Board Secretariat Clerical Service/Election Commission/Department of Tourism (Headquarters Estt)/Central Vigilance Commission will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This however, does not apply to a Lower Division Clerk who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

H. G. MANDAL, Under Secy.

#### APPENDIX

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I—Written examination carrying a maximum of 300 marks in the subject as shown in para 2 below.

Part II—Evaluation of record of service of such of the candidates who attain at the Written examination, a minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion carrying a maximum of 100 marks.

2. The subjects of the written examination in Part I the maximum marks allotted to each paper and the time allowed will be as follows :—

Subject	Maximum marks	Time allowed
(i) Essay and Precis Writing		
(a) Essay	50	2 hour
(b) Precis writing	50	
(ii) Noting and Drafting and office procedure	100	2 hours
(iii) General Knowledge	100	2 hours

Note :—There will be separate papers on Noting, Drafting and Office Procedure for candidates belonging to the three categories viz :

- (i) C.S.C.S., Department of Tourism (Headquarters Estt.) and Central Vigilance Commission.
- (ii) R.B.S.C.S. and
- (iii) Election Commission.

3. The syllabus for the examination will be as shown in the Schedule below.

4. Candidates are allowed the option to answer the papers in English or in Hindi (Devanagari) subject to the condition that at least one of the papers viz. (i) Essay and Precis Writing or (ii) Noting and Drafting and Office Procedure, or (iii) General Knowledge must be answered in English.

Note 1—The option will be for a complete paper and not for different questions in the same paper.

Note 2—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid papers in Hindi (Devanagari) or in English should indicate their intention to do so clearly in column 6 of the application form, otherwise, it would be presumed that they would answer the paper in English.

Note 3—The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in column 6 of the application form shall ordinarily be entertained.

Note 4—Question papers will be supplied both in Hindi and English.

Note 5—No credit will be given for answer written in a language other than the one opted by two candidate.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of scribe to write the answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. Marks will not be allotted for more superficial knowledge.

8. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks in the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

#### SCHEDULE

##### SYLLABUS OF EXAMINATION

##### 1. Essay and Precis Writing :

(a) Essay—An essay to be written on one of the several specified subjects.

(b) Precis Writing—Passages will usually be set for summary or precis.

2. Noting and Drafting and Office Procedure—The paper of Noting and Drafting and Office Procedure will be designed to test the candidates knowledge of Office Procedure in the Secretariat and Attached Offices and generally their ability to write and understand notes and drafts.

Candidates belonging to Central Secretariat Clerical Service, Department of Tourism (Headquarters Estt.) and Central Vigilance Commission are required to study the Manual of Office Procedure Notes on Office Procedure issued by the Institute of Secretariat Training and Management—the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Lok Sabha and the Rajya Sabha and the Hand Book of Orders issued by the Ministry of Home Affairs regarding use of Hindi for Official purposes of the Union for this purpose.

Candidates belonging to Railway Board Secretariat Clerical Services are required to study the Manual of Office Procedure issued by the Railway Board and the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Lok Sabha and the Rajya Sabha and the Hand Book of Orders issued by the Ministry of Home Affairs regarding use of Hindi for official purposes of the Union and the Indian Railways Compendium of Orders regarding use of Official Language for this purpose.

Candidates belonging to Election Commission of India are required to study the Manual of Office Procedure, Notes on Office Procedure issued by the Institute of Secretariat Training and Management and the Hand Book of Orders issued by the Ministry of Home Affairs regarding use of Hindi for Official purpose of the Union for this purpose.

3. General Knowledge—The paper on General Knowledge will be intended inter alia to, test the candidates knowledge of Indian Geography as well as the country's administration as also intelligent awareness of current affairs both nation and international which an educated person may be expected to have. Candidates answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book, reports etc.

